निम्न पत्रक बॉयो रे में उपलब्ध है:

1. बीजामृत (बीज उपचार)
2. सी. पी. पी. + गौमुत्र (बीज उपचार)
3. निम्बोली का अर्क
4. जि. ओ. सी.
5. टॉप टेन
6. नीम तेल और हिंग
7. गौमुत्र
8. छाछ
9. कपास की प्राथमिक अवस्था में रक्षा
10. जीवामृत
11. स्प्रे केसै करें

The leaflets are available in English and Hindi

उपरोक्त पत्रक हिन्दी और इंग्लिश मे उपलब्ध है।

इस पत्रक मे दि गई जानकारी बॉयो रे के अधिकारीयो के ज्ञान व बॉयो रे किसानों के अनुभव के आधार पर दि गई है। इसमें कुछ विधीयॉ जो दुसरे राज्यों के जैविक किसानों द्वारा अपनाई गई है उन्हे सम्मिलित किया है तथा कुछ विधीयों को पीटर प्राक्टर द्वारा प्रस्तावित बॉयोडायनामिक पद्वति से लिया गया है (जैसे सी.पी.पी.)।

bioRe® Research Station
5th km Milestone, Mandleshwar road
Kasrawad, Distr. Khargone
MP-451228 India
Tel.: +919926838549
Email: biore.lokendra@gmail.com

तारीख: फ़रवरी 2014

लेखक: लोकेन्द्र सिंह मण्डलोई
क्लाउडीया उट्स्
जुलियाना ज्वाईफैल्
राजीव वर्मा

FiBL

सलाह पत्रक

bioRe®

जैविक कीट नियंत्रण के लिए स्वयं निर्मित दवाईयों को बनाना और उनका उपयोग करना।

निम्नलिखित विकल्पीत उपचार प्रथक–प्रथक या मिलाकर उपयोग कर सकतें है। कपास प्राकुंर की प्राथमीक अवस्था के किटों से रक्षा के लिए इनको मिलाकर बीजोपचार करें। निम पाउडर का चक।

मुंग कि अंतरवर्तीय फसल

सामग्री

मुंग बीज
250–350 ग्राम प्रती एकड़

उपयोग

कपास का बीज बौने के बाद उसी छेद में मुंग का बीज भी बौ देते है। अतः बौने के 20 दिन बाद मुंग के पौधे को बहोत सावधानी से उखाडें या उन्हैं काट दें ताकी कपास के पौधे को नुकसान न पहुचे।

असर प्रणाली

मुंग के बीजों का अंकुरण ज्लदी होने पर यह जमीन की उपरी सतह को कपास के बीजों के लिए खोल देता है जिससे कपास के अंकुरण में आसानी होती है। इसी तरह मुंग, काटने वाले कीटों का ध्यान अपनी ओर अर्कषीत करता है जिससे कपास प्रांकुर नुकसान होने से बचजातें है।

उपयोगः	कपास का अंकुरण बडता है तथा काटने वाले कीटों से नुकसान कम होता है।
मात्राः	1–3 मुंग बीज प्रती छेद डालें।
रखने की अवधिः	मुंग बीजों को 2 वर्ष से अधीक न रखें।
सीमाऐः	मुंग के पौधों को सावधानी से व समय पर निकाल दें अन्यथा कपास की फसल को नुकसान हो सकता है।
सक्रिय तत्वः	मुंग बीज प्रांकुर।

निम्बोली पाउडर का चक्र

सामग्री

निम्बोली पाउडर
40 किलो प्रती एकड़

उपयोग

निम्बोली पाउडर को प्रत्येक बीज छेद के चारोंओर चक्र बनाकर देते है। इसे बुआई के तुरंत पहले या बुआई के कुछ दिन बाद उपयोग करते है।

असर प्रणाली

नीम कीटों के हार्मोन्स को बिगाड देता है, जब वह इसे सुंगते है या उसे निगलते है जिससे वह खाना खाना भुल जातें है। निम्बोली पाउडर का चक्र कपास के लिए रक्षा कवच का कार्य करता है साथ ही मृदा सुधारक का भी।

उपयोगः	रेंगने वाले किटों को भगाने के लिए।
मात्राः	10 ग्राम (2 चाय के चम्मच) प्रती चक्र।
रखने की अवधिः	पिसने के बाद निम्बोली पाउडर को 2 माह से ज्यादा न रखें।
सीमाऐः	कोई सीमाऐ नहीं।
सक्रिय तत्वः	अजादीरेक्टीन और अन्य।